सामाजिक विज्ञान (कोड–087)

कक्षा 10 – सत्र 2019–20

प्रतिदर्श प्रश्न–पत्र 19

निर्धारित समय– 3 घंटे **अधिकतम अंक – 80**

सामान्य निर्देश:–

1. प्रश्न–पत्र में कुल 35 प्रश्न हैं।
2. प्रत्येक प्रश्न के सामने अंक अंकित किए गए हैं।
3. क्रम संख्या 1 से 20 तक के प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का है। उनका उत्तर निर्देशानुसार दीजिए।
4. क्रम संख्या 21 से 28 तक के प्रश्न 3 अंक के हैं। उनका उत्तर 80 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।
5. क्रम संख्या 29 से 34 तक के प्रश्न 5 अंक के हैं। उनका उत्तर 120 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।
6. प्रश्न संख्या 35 दो भागों के साथ 6 अंक का मानचित्र प्रश्न है– 35a. इतिहास से (2 अंक) और 35b. भूगोल से (4 अंक)।

खण्ड–क : अति लघु उत्तरीय प्रश्न

1. 1919 में प्रस्तावित रॉलट एक्ट के खिलाफ एक राष्ट्रव्यापी सत्याग्रह प्रारम्भ करने का सबसे उपयुक्त कारण निम्नलिखित में से कौन–सा था? 1

(a) इस कानून को इम्पीरियल लेजिस्लेटिव काउंसिल ने बहुत जल्दबाजी में पारित किया।

(b) भारतीय सदस्यों के भारी विरोध के बावजूद इस कानून को पारित किया गया।

(c) इस कानून के जरिए ब्रिटिश सरकार को राजनीतिक गतिविधियों को कुचलने का अधिकार दिया गया।

(d) यह एक अन्यायपूर्ण कानून था जिससे राजनीतिक कैदियों को दो साल तक बिना मुकदमा चलाए जेल में बन्द रखने का अधिकार मिल गया।

उत्तर (d) यह एक अन्यायपूर्ण कानून था जिससे राजनीतिक कैदियों को दो साल तक बिना मुकदमा चलाए जेल में बन्द रखने का अधिकार मिल गया।

2. निम्नलिखित वक्तव्य को सही करें और पुनः लिखें– 1
तृतीयक क्षेत्र की गतिविधियों में संचार, यातायात के साधन, मत्स्यपालन, शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार आदि सम्मिलित हैं।

उत्तर

तृतीयक क्षेत्र की गतिविधियों में संचार, यातायात के साधन, **बैंकिंग**, शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार आदि सम्मिलित हैं।

3. फिलिप वेट के इस चित्र जर्मेनिया में **तलवार पर लिपटी जैतून की डाली** का प्रतीकात्मक अर्थ है– 1

(a) वीरता और न्याय

(b) शांति की चाह

(c) जर्मन साम्राज्य की शक्ति

(d) लोक और सांस्कृतिक परम्परा

उत्तर (b) शांति की चाह

4. एशिया को यूरोप और उत्तरी अफ्रीका से जोड़ने वाले मार्गों को किस नाम से जाना जाता है? 1

उत्तर सिल्क मार्ग (रूट)।

अथवा

किस संगठन ने विश्व व्यापार संगठन को प्रतिस्थापित किया?

उत्तर गैट (GATT)।

5. निम्नलिखित तालिका को लौह अयस्क और कोयले के प्रकारों के सम्बन्ध में सही जानकारी के साथ पूरा कीजिए– 1

लौह अयस्क के प्रकार	मैग्नेटाइट	(A)–?	लिमोनाइट	सिडेराइट
कोयले के प्रकार	एन्थ्रेसाइट	बिटुमिनस	(B)–?	पीट

उत्तर

(A) – हेमेटाइट
(B) – लिग्नाइट

6. निम्नलिखित घटनाओं को उनके कालक्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए– 1

1. भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी का गठन।
2. भारतीय जनता पार्टी की स्थापना।
3. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का गठन।
4. बहुजन समाज पार्टी का गठन।

(a) 2–3–1–4 (b) 3–2–1–4
(c) 1–2–3–4 (d) 3–1–2–4

उत्तर (d) 3–1–2–4

7. खरीफ की फसलें कब काटी जाती हैं? 1

(a) सितम्बर–अक्टूबर में (b) अगस्त–सितंबर में
(c) मार्च–अप्रैल में (d) अप्रैल–मई में

उत्तर (a) सितम्बर–अक्टूबर में

8. निम्नलिखित में से कौन–सा सांप्रदायिकता का लक्षण नहीं है? 1

(a) सांप्रदायिक राजनीति इस बात पर आधारित होती है कि धर्म ही सामाजिक समुदाय का निर्माण करता है।
(b) धर्म को राष्ट्र के आधार के रूप में देखा जाता है।
(c) जब एक धर्म के विचारों को दूसरे धर्मों से श्रेष्ठ माना जाने लगता है।
(d) एक विशेष धर्म के लोग विभिन्न समुदायों से संबंध रख सकते हैं।

उत्तर (d) एक विशेष धर्म के लोग विभिन्न समुदायों से संबंध रख सकते हैं।

9. कांशीराम के नेतृत्व में ..... में बसपा का गठन हुआ। 1

उत्तर 1984

10. नीचे दिया गया कार्टून निम्न में से किस विकल्प को दर्शाता है– 1

(a) मध्याह्न भोजन कार्यक्रम
(b) केन्द्र–राज्य सम्बन्ध
(c) राज्य सरकार और जनता के मध्य सम्बन्ध
(d) आरक्षण की माँग

उत्तर (b) केन्द्र–राज्य सम्बन्ध

11. स्पिनिंग जेनी मशीन के प्रयोग का विरोध क्यों और कैसे किया गया? 1

उत्तर

स्पिनिंग जेनी मशीन के प्रयोग का विरोध बेरोजगारी की आशंका के कारण हाथ से ऊन कातने वाली औरतों ने उन पर हमला करके किया।

अथवा

फ्लाई शटल वाले करघों के प्रयोग के कौन–से दो महत्त्वपूर्ण परिणाम निकले?

उत्तर

1. कामगारों की उत्पादन क्षमता तथा उत्पादन में वृद्धि हुई।
2. श्रम की मांग कम हो गई।

12. नीचे दिए गए प्रश्न में दो कथन, कथन (A) और कारण (R) के रूप में चिह्नित हैं। कथनों को पढ़ें और सही विकल्प चुनें– 1

कथन (A) : भूमि एक बहुत महत्त्वपूर्ण प्राकृतिक संसाधन है।
कारण (R) : भूमि का उपयोग विभिन्न उद्देश्यों के लिए किया जाता है।

(a) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है।
(b) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(c) A सही है, लेकिन R गलत है।
(d) A और R दोनों गलत हैं।

उत्तर (a) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है।

13. भारत में संघीय सूची के विषयों पर कौन–सी सरकार कानून बना सकती है? 1

उत्तर केन्द्रीय सरकार

अथवा

भारत में कौन–सी भाषा को राजभाषा का दर्जा दिया गया है?

उत्तर हिन्दी

14. निम्नलिखित तालिका वर्ष 2003 में भारत में ग्रामीण परिवारों के साख के स्रोत दर्शा रही है– 1

स्रोत	भाग
साहूकार	30%
सहकारी समितियाँ	27%
व्यावसायिक बैंक	25%
अन्य (व्यापारी, रिश्तेदार आदि)	18%

ऊपर दी गई तालिका का विश्लेषण करते हुए बताइए कि कुल साख में औपचारिक क्षेत्रक का भाग कितना है?

(a) 25% (b) 27%

(c) 52% (d) 48%

उत्तर (c) 52%

15. ..... कुछ आर्थिक और सामाजिक अधिकार भी प्रदान करता है। 1

उत्तर लोकतंत्र

अथवा

प्रत्येक नागरिक को सरकार द्वारा लिए गए निर्णयों की जाँच करने का अधिकार है। इससे ..... में मदद मिलती है।

उत्तर पारदर्शिता

16. एक देश में औसत या प्रति व्यक्ति आय के मापने का सूत्र बताइए। 1

उत्तर

$$\text{औसत आय} = \frac{\text{देश की कुल आय}}{\text{कुल जनसंख्या}}$$

अथवा

साक्षरता दर साक्षर जनसंख्या के अनुपात के कौन से आयु वर्ग को मापती है?

उत्तर

7 वर्ष तथा ऊपर का आयु वर्ग।

17. जाति पदानुक्रम से क्या तात्पर्य है? 1

(a) ग्रामीण क्षेत्रों से शहरी क्षेत्रों की ओर प्रवास

(b) एक व्यवसाय से दूसरे व्यवसाय में जाना

(c) पायदान जैसी एक संरचना जिसमें सभी जाति समूहों का उच्चतम से निम्नतम स्थान होगा

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर (c) पायदान जैसी एक संरचना जिसमें सभी जाति समूहों का उच्चतम से निम्नतम स्थान होगा

18. सूची–I का सूची–II से मिलान कीजिए– 1

	सूची–I		सूची–II
1.	रामागुंडम	क	सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क
2.	कानपुर	ख	तापीय ऊर्जा संयंत्र
3.	गांधीनगर	ग	लोहा और इस्पात संयंत्र
4.	बोकारो	घ	सूती वस्त्र उद्योग केन्द्र

उत्तर 1–ख, 2–घ, 3–क, 4–ग

19. विदेशी व्यापार के उदारीकरण से आप क्या समझते हैं? 1

उत्तर

दूसरे देशों से होने वाले व्यापार पर अवरोधों या प्रतिबंधों को हटाना ही विदेशी व्यापार का उदारीकरण कहलाता हैं।

20. "आज राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में परिवहन के अन्य सभी साधनों की अपेक्षा रेल परिवहन प्रमुख हो गया है। यद्यपि रेल परिवहन समस्याओं से मुक्त नहीं है।" रेल परिवहन की कोई एक समस्या बताइए। 1

उत्तर

बहुत से यात्री बिना टिकट यात्रा करते हैं।

खण्ड–ख : लघु उत्तरीय प्रश्न

21. नई आर्थिक नीति के अंतर्गत कौन–से वित्तीय सुधार किए गए हैं? 3

उत्तर :

वित्तीय सुधारों से अभिप्राय देश की मौद्रिक तथा बैंकिंग नीतियों में सुधार करने से है। नई आर्थिक नीति (1991) के अंतर्गत निम्नलिखित वित्तीय सुधार किए गए–

1. तरलता अनुपात में कमी कर दी गई।
2. बैंकों को ब्याज की दरों का निर्धारण करने की स्वतंत्रता दी गई।
3. बैंकिंग प्रणाली की पुनः रचना की गई। नये निजी बैंकों की स्थापना को प्रोत्साहन दिया गया।
4. अलग–अलग बैंकों के अधिकारियों की भर्ती के लिए स्वतंत्रता दी गई।

अथवा

विश्व व्यापार संगठन की क्या भूमिका है? विश्व व्यापार संगठन का सदस्य बनने पर भारत को होने वाले दो लाभ क्या हैं?

उत्तर :

विश्व व्यापार संगठन की स्थापना 1 जनवरी, 1995 को की गई थी। यह संगठन गैट (GATT) का उत्तराधिकारी है। इसका उद्देश्य व्यापार में लगे प्रतिबंधों तथा अन्य शुल्क

को कम करके जीवन स्तर को बढ़ाना है। यह संगठन विश्व के आर्थिक मामलों में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। विश्व व्यापार संगठन का सदस्य बनने पर भारत को निम्नलिखित लाभ होंगे–

1. इससे विश्व व्यापार में भारत की हिस्सेदारी बढ़ेगी।
2. भारत के आर्थिक विकास में वृद्धि होगी।

22. 1992 में हुए पृथ्वी सम्मेलन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। 3

उत्तर :

जून 1992 में ब्राजील के रियो–डी–जेनेरो में विश्व के 100 देशों ने अंतर्राष्ट्रीय पृथ्वी सम्मेलन में भाग लिया। सम्मेलन में विश्व स्तर पर पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक–आर्थिक विकास की समस्याओं पर ध्यान आकर्षित किया गया। सभी सम्मिलित नेताओं ने वैश्विक जलवायु परिवर्तन और जैव विविधता की घोषणा पर हस्ताक्षर किया। रियो सम्मेलन ने वैश्विक वन सिद्धांत को शामिल किया और 21वीं सदी के सतत पोषणीय विकास को प्राप्त करने के लिये एजेन्डा 21 को स्वीकार किया।

अथवा

सतत पोषणीय विकास का क्या अर्थ है?

उत्तर :

सतत् पोषणीय विकास का अर्थ है कि विकास पर्यावरण को बिना नुकसान पहुँचाए हो और वर्तमान विकास की प्रक्रिया भविष्य की पीढ़ियों की आवश्यकता की अवहेलना न करे। पर्यावरण संसाधनों का उपभोग उनकी क्षमता के अनुसार हो जिससे उनकी निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित रहे। सभी प्रकार की संपत्ति के कुल भंडार का क्षरण नहीं होना चाहिए। पारितंत्र के स्थायित्व को ध्यान में रखना चाहिये। इस प्रकार सतत पोषणीय विकास का तात्पर्य मानव जीवन की गुणवत्ता में सुधार है।

23. नीचे दिए गए स्रोतों को पढ़ें और उन पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दें– $1 + 1 + 1 = 3$

स्रोत क

"सत्याग्रह शारीरिक बल नहीं है। सत्याग्रही अपने शत्रु को कष्ट नहीं पहुँचाता। वह अपने शत्रु का विनाश नहीं चाहता। ..... सत्याग्रह के प्रयोग में दुर्भावना के लिए कोई स्थान नहीं होता। सत्याग्रह तो शुद्ध आत्मबल है। सत्य ही आत्मा का आधार होता है। इसलिए इस बल को सत्याग्रह का नाम दिया गया है आत्मा ज्ञान से हमेशा लैस होती है। इसमें प्यार की लौ जलती है.....। अहिंसा सर्वोच्च धर्म है।

इसमें कोई संदेह नहीं कि भारत विनाशकारी शस्त्रों के मामले में ब्रिटेन या यूरोप का मुकाबला नहीं कर सकता। अंग्रेज युद्ध के देवता की उपासना करते हैं। वे सब हथियारों से लैस हो सकते हैं, होते जा रहे हैं। भारत में करोड़ों लोग हथियार लेकर नहीं चल सकते। उन्होंने अहिंसा के धर्म को आत्मसात् कर लिया है.....।"

स्रोत ख

"ऐसे में उच्चतम आयाम में सांप्रदायिकता भारत जैसे देश के भीतर एक लयात्मक समुच्चय के निर्माण के लिए अपरिहार्य है। यूरोपीय देशों की तरह भारतीय समाज की इकाइयाँ भू–भागों में बँटी हुई नहीं हैं। भारत के सामुदायिक समूहों को मान्यता दिए बिना यहाँ यूरोपीय लोकतंत्र के सिद्धांत को लागू नहीं किया जा सकता। भारत के भीतर एक मुस्लिम भारत की स्थापना के लिए मुसलमानों की ओर से उठ रही माँग बिलकुल सही है।....."

हिंदू सोचता है कि पृथक् निर्वाचिका का प्रस्ताव सच्चे राष्ट्रवाद की भावना के विपरीत है क्योंकि वह मानता है कि "राष्ट्र" शब्द का मतलब एक ऐसे सार्वभौमिक सम्मिश्रण से है जिसमें किसी भी सामुदायिक इकाई को अपनी निजी विशिष्टता बनाए रखने का अधिकार नहीं हो सकता। लेकिन हालात ऐसे नहीं हैं। भारत नस्ली और धार्मिक विशिष्टताओं वाला देश है। इसी में आप यह तथ्य भी जोड़ दीजिए कि मुसलमान आर्थिक रूप से सामान्यतः कमजोर हैं, उन पर भारी कर्जे हैं, खासतौर पर पंजाब में और कई प्रांतों में उनकी संख्या कम है। इसके बाद आप देखेंगे कि पृथक् निर्वाचिका को बनाए रखने की हमारी बेचैनी का क्या अर्थ है।"

स्रोत ग

'पुराने ज़माने में भारत आने वाले विदेशी यात्री आर्य वंश के लोगों के साहस, सच्चाई और विनम्रता पर चकित रह जाते थे; अब वे बस इन गुणों के अभाव की बात करते हैं। उस जमाने में हिंदू विजय के लिए निकलते थे और तातार, चीन व अन्य देशों में अपनी विजय–पताका फहराते थे। अब एक क्षुद्र से द्वीप के चन्द सिपाही भारत भूमि पर कब्जा किए हुए हैं।'

स्रोत क

23.1 शारीरिक बल और आत्मबल में मुख्य अंतर क्या है? 1

उत्तर :

शारीरिक बल धरती पर बनाए गए नियमों के लिए हिंसक है जबकि आत्म बल प्रेम और एकता की ज्योति जलाता है।

स्रोत ख

23.2 मोहम्मद इकबाल मुसलमानों के लिए अलग निर्वाचिका क्यों बनाना चाहते हैं? 1

उत्तर :

ऐसा इसलिए क्योंकि मुसलमान आर्थिक रूप से कमजोर हैं, उन पर भारी कर्जे हैं और कई प्रांतों में वे अल्पसंख्यक हैं।

स्रोत ग

23.3 पुराने जमाने में आर्य वंश के लोगों में कौन–कौनसे गुण थे?

उत्तर :

पुराने जमाने में आर्य वंश के लोगों में साहस, सच्चाई और विनम्रता जैसे गुण थे जिनसे भारत आने वाले विदेशी यात्री चकित रह जाते थे।

24. भूदान आंदोलन और ग्रामदान आंदोलन से आप क्या समझते हैं? विनोबा भावे का आंदोलन रक्तहीन क्रांति क्यों कहलाया? 3

उत्तर :

भूदान और ग्रामदान आंदोलन भूमि दान करने का आंदोलन था जो विनोबा भावे ने चलाया। भूदान में जमींदार द्वारा एक भूखंड (या अपनी भूमि का कुछ भाग) भूमि रहित लोगों को दान में दिया जाता था। ग्रामदान में कुछ जमींदारों तथा कई ग्रामों के भूस्वामियों ने भूमिहीन लोगों को भूमि वितरित की।

भूदान और ग्रामदान आंदोलन के लिये कोई राजनीतिक या कानूनी अथवा शारीरिक दबाव नहीं था। हिंसा के लिये कोई स्थान नहीं था। धनी लोगों ने अपनी इच्छा से अपनी भूमि दान की। इसलिये यह आंदोलन रक्तहीन क्रांति के नाम से जाना गया था।

अथवा

गहन जीविका कृषि से आप क्या समझते हैं? इसकी दो विशेषताएँ बताइए।

उत्तर :

गहन जीविका कृषि में भूमि पर गहन खेती की जाती है तथा उत्पादों की खपत सामान्यतः कृषक परिवार में ही हो जाती है। अधिशेष उत्पाद मुश्किल से ही बचता है जिसे बेचा जा सके।

गहन जीविका कृषि की विशेषताएँ

1. भूस्वामित्व में विरासत के अधिकार के कारण जोतों का आकार लगातार छोटा होता जा रहा है। वैकल्पिक रोजगार के अभाव में किसान सीमित भूमि से अधिक से अधिक पैदावार लेने की कोशिश करते हैं।
2. यह एक श्रम गहन खेती है जिसमें अत्यधिक पैदावार प्राप्त करने के लिये किसानों द्वारा जैव-रासायनिक निवेशों तथा सिंचाई का बहुत अधिक प्रयोग किया जाता है।

25. उन उपायों को बताइए जिन्हें आप असंगठित क्षेत्रक में श्रमिकों के संरक्षण में सहायक मानते हैं। 3

उत्तर :

असंगठित क्षेत्रक में श्रमिकों के संरक्षण के लिए निम्न उपाय सुझाए जा सकते हैं-

1. भारत में ग्रामीण परिवारों का लगभग 80% भाग छोटे एवं सीमान्त किसानों की श्रेणी में है, जो असंगठित क्षेत्रक के अन्तर्गत आता है। इन किसानों को उन्नत बीजों की समय पर आपूर्ति, कृषि आगतें, ऋण भंडारण और विपणन सुविधाओं के माध्यम से सहायता पहुँचाने की आवश्यकता है।
2. सरकार को चाहिए कि वह लघु उद्योगों की कच्चा माल प्राप्त करने और उत्पादों के विपणन में सहायता करें।
3. सरकार को असंगठित क्षेत्रक के लिए न्यूनतम मजदूरी निश्चित कर उसे ईमानदारी से लागू करना चाहिए।
4. सरकार को इस क्षेत्रक में श्रमिकों के संरक्षण हेतु वर्तमान कानूनों को कड़ाई से लागू करना चाहिए।

26. विक्टर इमैनुएल कौन था? इटली के एकीकरण में उसकी भूमिका का वर्णन कीजिए। 3

उत्तर :

विक्टर इमैनुएल सवाँय शाही परिवार (वंश) के राजा चार्ल्स अल्ब्रेट का पुत्र था। 1848 की क्रांति के कारण विक्टर इमैनुएल का पिता चार्ल्स अल्ब्रेट अपने राज्य पीडमांट से भाग गया और वह राज्य की सत्ता विक्टर इमैनुएल के पक्ष में छोड़ गया। वह सार्डीनिया का राजा बना लेकिन शीघ्र ही उसने पीडमांट पर भी अधिकार कर लिया।

उसका मुख्यमंत्री काउंट कावूर राज्य-कार्यों और प्रशासन के क्षेत्र में विशेषज्ञ था। इस राजा ने कावूर की इटली के एकीकरण की योजना को भरपूर समर्थन दिया। यह ठीक है कि वह राजशाही का समर्थक और प्रजातंत्र का विरोधी था लेकिन उसने लोकतंत्र या गणतंत्र स्थापित करने वाले अपने मंत्री कावूर की योजना में कोई दखल नहीं दिया।

27. संघात्मक व्यवस्था क्या है? इसकी दो मुख्य विशेषताएँ बताएँ। 3

उत्तर :

संघात्मक व्यवस्था

स्वायत्तता प्राप्त राज्य इकाइयों का एक संघ में समामेलन संघात्मक व्यवस्था कहलाती है। इसमें प्रायः एक लिखित संविधान द्वारा दो तरह की सरकारों-संघ और राज्य में सत्ता की भागीदारी होती है।

संघात्मक व्यवस्था की मुख्य विशेषताएँ

1. **लिखित, विस्तृत संविधान-** इसमें सरकार के विभिन्न स्तर, उनसे संबंधित पद और उनमें अधिकारों, कर्तव्यों और कार्य क्षेत्रों का उल्लेख होता है।
2. **सत्ता की भागीदारी-** संघात्मक व्यवस्था में सत्ता की भागीदारी अनेक रूपों में हो सकती है। जो सबसे मुख्य रूप है वह विभिन्न स्तरों पर सरकारों में अधिकारों और दायित्वों का बंटवारा है। जैसे केन्द्र, राज्य, स्थानीय स्वशासन के स्तरों पर। वैसे केन्द्र सरकार और राज्य सरकारों के तीन अंगों विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका में भी सत्ता की भागीदारी हो सकती है।

अथवा

विकेंद्रीकरण क्या है? विकेंद्रीकरण का क्या महत्त्व है?

उत्तर :

विकेंद्रीकरण

जब केंद्र और राज्य सरकार से शक्तियाँ लेकर स्थानीय सरकारों को दी जाती हैं तो इसे सत्ता का विकेंद्रीकरण कहते हैं।

विकेंद्रीकरण का महत्त्व

1. अनेक मुद्दों और समस्याओं का निपटारा स्थानीय स्तर पर ही बढ़िया ढंग से हो सकता हैं। लोगों को अपने इलाके की

समस्याओं की बेहतर समझ होती है। लोगों को इस बात की अच्छी जानकारी होती है कि पैसा कहाँ खर्च किया जाए और चीज़ों का अधिक कुशलता से उपयोग किस तरह किया जा सकता है।

2. स्थानीय स्तर पर लोगों का फैसलों में सीधे भागीदार बनना भी संभव हो जाता हैं इससे लोकतांत्रिक भागीदारी की आदत पड़ती है। स्थानीय सरकारों की स्थापना स्व–शासन के लोकतांत्रिक सिद्धांत को वास्तविक बनाने का सबसे अच्छा तरीका है।

28. व्यापार और निवेश नीतियों का उदारीकरण वैश्वीकरण प्रक्रिया में कैसे सहायता पहुँचाता है? 3

उत्तर :

व्यापार एवं निवेश नीतियों का उदारीकरण वैश्वीकरण प्रक्रिया में निम्नलिखित प्रकार से सहायता पहुँचाता हैं–

1. उदारीकरण उद्योगों को बाजार के अनुसार विस्तृत होने की छूट देता है। इससे वैश्वीकरण को सहायता प्राप्त होती है।
2. निवेश का उदारीकरण नए व्यवसायों की स्थापना करने में सहायता प्रदान करता है, जो कि वैश्वीकरण का ही एक भाग है।
3. व्यापार के उदारीकरण का अर्थ अनावश्यक व्यापारिक प्रतिबंधों को हटाने से है जिसके कारण देशों के बीच आयात–निर्यात सरल हो गया है। इसी से वैश्वीकरण का जन्म हुआ।

खण्ड–ग : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

29. मुद्रण संस्कृति के फ्रांसीसी क्रांति में योगदान के पक्ष और विपक्ष में तर्क दीजिए। 5

उत्तर :

पक्ष में तर्क

1. ज्ञानोदय के चिंतकों ने परंपराओं, अंधविश्वास और निरंकुशवाद की आलोचना की। उन्होंने रीति–रिवाजों के स्थान पर विवेक और तर्क का प्रयोग करने पर जोर दिया। उन्होंने चर्च की धार्मिक और राज्य की निरंकुश सत्ता का विरोध किया। वॉल्तेयर और रूसो के विचारों का अध्ययन करने वाले वर्ग ने आलोचनात्मक और तर्क के आधार पर विचार करना प्रारंभ कर दिया।
2. वाद–विवाद की नई संस्कृति के अंतर्गत पुराने मूल्य, संस्थाओं और नियमों का मूल्यांकन प्रारंभ हुआ जिससे सामाजिक क्रांति के नए विचारों का सूत्रपात हुआ।
3. छपाई खाने के परिणामस्वरूप 1780 के दशक तक ऐसा साहित्य काफी मात्रा में छप चुका था जिसमें राजशाही और उसकी नैतिकता की आलोचना की गई थी। कार्टूनों और कैरिकेचरों द्वारा यह दर्शाया गया कि जनसाधारण तो भूखा मर रहा है जबकि राजशाही भोगविलास में डूबी है।

विपक्ष में तर्क

1. कुछ विद्वानों का यह भी विचार है कि मुद्रण संस्कृति का फ्रांसीसी क्रांति में योगदान नहीं था। उनके अनुसार लोग हर तरह की सामग्री पढ़ते थे। एक तरफ वे अगर रूसो और वॉल्तेयर को पढ़ रहे थे तो दूसरी ओर चर्च और राज्य का प्रौपगैंडा भी पढ़ रहे थे।
2. लोग हर पढी या देखी वस्तु से तो सीधे प्रभावित नहीं हो सकते थे।
3. लोग कुछ विचारों को स्वीकार करते थे तो कुछ को नकारते भी थे।
4. लोग वस्तुओं व विचारों की अपने ढ़ंग से व्याख्या करते थे।

अथवा

मुद्रण ने समुदाय के बीच केवल मत–मतांतर ही पैदा नहीं किए, बल्कि इसने समुदायों को अंदर से और विभिन्न भागों को पूरे भारत से जोड़ने का काम भी किया। इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर :

1. **धार्मिक, सामाजिक तथा आर्थिक मुद्दों पर बहस–** 19वीं सदी के प्रारंभ से ही धार्मिक, सामाजिक और आर्थिक मुद्दों को लेकर गंभीर वाद–विवाद चलता रहा था। अलग–अलग समूह औपनिवेशिक समाज में हो रहे परिवर्तनों से जूझते हुए, धर्म की अपनी–अपनी व्याख्या कर रहे थे। कुछ तो वर्तमान रीति–रिवाजों की आलोचना करते हुए उनमें सुधार चाहते थे जबकि अन्य समाज सुधारकों के तर्कों के विरूद्ध थे।
2. **वाद–विवाद पर प्रभाव–** ऐसे वाद–विवाद प्रायः सार्वजनिक बहस व मुद्रण में चलते रहते थे। छपी पुस्तिकाएँ व अखबार न केवल नए विचारों का प्रचार–प्रसार करते बल्कि बहस को एक आकार भी दे देते थे।
3. **नए विचार तथा बहस–** इन बहसों में व्यापक जन–समुदाय भी भाग ले सकता था और अपने विचार रख सकता था। विभिन्न मत–मतांतरों से नए विचार सामने आने लगे।
4. **भारतीय पहचान–** अखबार समाचारों को एक से दूसरे स्थान तक पहुँचाते थे जिससे अखिल भारतीय पहचान उभरती थी। समाचार–पत्र औपनिवेशिक कुशासन पर रिपोर्ट करते थे तथा राष्ट्रवादी गतिविधियों को बढ़ावा देते थे।

30. निम्नलिखित उद्धरण को पढ़ें और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें। $1 + 2 + 2 = 5$

सत्ता के बँटवारे के पक्ष में दो तरह के तर्क दिए जा सकते हैं। पहला, सत्ता का बँटवारा ठीक है क्योंकि इससे विभिन्न सामाजिक समूहों के बीच टकराव का अंदेशा कम हो जाता है। चूँकि सामाजिक टकराव आगे बढ़कर अक्सर हिंसा और राजनीतिक अस्थिरता का रूप ले लेता है इसलिए सत्ता में हिस्सा दे देना राजनीतिक व्यवस्था के स्थायित्व के लिए अच्छा है।

बहुसंख्यक समुदाय की इच्छा को बाकी सभी पर थोपना तात्कालिक तौर पर लाभकारी लग सकता है पर आगे चलकर यह देश की अखंडता के लिए घातक हो सकता है। बहुसंख्यकों का आतंक सिर्फ़ अल्पसंख्यकों के लिए ही परेशानी पैदा नहीं करता अक्सर यह बहुसंख्यकों के लिए भी बर्बादी का कारण बन जाता है। सत्ता का बँटवारा लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं के लिए ठीक है–इसके पक्ष में एक और बात कही जा सकती है और वह बात कहीं ज्यादा गहरी है। सत्ता की साझेदारी दरअसल लोकतंत्र की आत्मा है। लोकतंत्र का मतलब ही होता है कि जो लोग इस शासन–व्यवस्था के अंतर्गत हैं उनके बीच सत्ता को बाँटा जाए और ये लोग इसी ढर्रे से रहें। इसलिए, वैध सरकार वही है जिसमें अपनी भागीदारी के माध्यम से सभी समूह शासन व्यवस्था से जुड़ते हैं।

इन दो तर्कों में से एक को हम युक्तिपरक और दूसरे को नैतिक तर्क कह सकते हैं। युक्तिपरक या समझदारी का तर्क लाभकर परिणामों पर.जोर देता है जबकि नैतिक तर्क सत्ता के बँटवारे के अंतर्भूत महत्त्व को बताता है।

30.1 सत्ता की साझेदारी से क्या तात्पर्य है?

30.2 **सत्ता का बँटवारा लोकतंत्र की आत्मा है।** कथन को चार उपयुक्त तर्कों के साथ न्यायसंगत ठहराइए।

30.3 सत्ता की साझेदारी के लिए युक्तिपरक और नैतिक कारणों में अंतर बताइए।

उत्तर :

30.1

किसी देश में शासन करने की शक्ति का समाज के अलग–अलग समुदायों, वर्गों या लोगों में बँटवारा सत्ता की साझेदारी कहलाता है।

30.2

(a) सत्ता का बँटवारा समाज में रहने वाले विभिन्न जातीय समूहों के आपसी संघर्ष की संभावना को कम करता है।

(b) यह राजनीतिक स्थिरता लाने में मदद करता है। जब देश किसी को प्राथमिकता दिए बिना सभी समुदायों द्वारा चलाया जाता है।

(c) यह भाषायी समस्याओं तथा हिंसा को भी कम करता है। भारत में भाषायी विभिन्नता है परंतु संविधान में सभी भाषाओं को समान महत्त्व दिया गया है।

(d) सत्ता का बँटवारा वास्तव में लोकतंत्र की आत्मा है। यह देश में राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक तथा सांस्कृतिक स्थिरता लाने में सहायता करता है।

30.3

	युक्तिपरक कारण	नैतिक कारण
1.	युक्तिपरक कारण लाभों और हानियों के विचार–विमर्श पर आधारित होते हैं।	नैतिक कारण पूर्ण रूप से नैतिकता पर आधारित होते हैं।
2.	ये कारण सामाजिक समूहों के बीच टकराव की संभावना को कम करने में मदद करते हैं।	इन कारणों को लोकतंत्र की मूलभूत आत्मा समझा जाता है।
3.	भारत में अल्पसंख्यकों और महिलाओं के लिए निर्वाचन–क्षेत्रों का आरक्षण युक्तिपरक कारण है।	भारत में सत्ता का विकेंद्रीकरण नैतिक कारण का उदाहरण है।

31. भौतिक तथा आर्थिक कारण भारतीय रेल नेटवर्क के वितरण पर किस प्रकार प्रभाव डालते हैं? उदाहरण सहित वर्णन करें। 5

उत्तर :

भारत में रेल नेटवर्क का वितरण भौतिक तथा आर्थिक कारकों से प्रभावित हुआ है जिनका वर्णन पृथक् शीषर्कों के अन्तर्गत नीचे किया गया है–

भौतिक कारक

1. गंगा के मैदान की समतल भूमि रेलमार्ग के विकास के लिये उपयुक्त है।
2. बिहार और असम के बाढ़ निर्मित मैदानों में तथा हिमालय के ऊबड़–खाबड़ प्रदेश में रेल मार्ग बहुत कम है।
3. राजस्थान का रेतीला मरूस्थल तथा सह्याद्रि के पहाड़ी क्षेत्र रेलमार्ग के लिए अनुपयुक्त हैं।

आर्थिक कारक

1. विशाल मैदानों में घनी जनसंख्या, कृषि और उद्योग की स्थापना रेलमार्ग के विकास के लिए उपयुक्त है।
2. भारत की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली भारत के विशाल मैदानों में स्थित है तथा यहाँ उत्तर रेलवे क्षेत्र का मुख्यालय है।

32. वैश्वीकरण उपभोक्ताओं के साथ–साथ उत्पादकों के लिए भी लाभकारी रहा है। इस कथन की पुष्टि उपयुक्त उदाहरणों द्वारा कीजिए। 5

उत्तर :

व्यापार, वित्तीय प्रवाह, तकनीक एवं सूचना के जाल के माध्यम से विश्व की अर्थव्यवस्था का समन्वय एवं एकीकरण ही वैश्वीकरण कहलाता है। वैश्वीकरण उपभोक्ताओं तथा उत्पादकों दोनों के लिए लाभकारी निम्नलिखित प्रकार से सिद्ध हुआ है–

उपभोक्ताओं को लाभ

1. वैश्वीकरण के कारण लोगों को अपनी आवश्यकता एवं इच्छा के अनुकूल वस्तुएँ प्राप्त हो रही हैं।
2. उपभोक्ता वस्तुओं के मूल्यों में भी तुलना करके कम मूल्य की श्रेष्ठ वस्तु का क्रय कर सकता है। इससे वह कम धन खर्च करके अधिक संतुष्टि प्राप्त कर सकता है।

3. उपभोक्ता को विभिन्न प्रकार की वस्तुएँ निकट के बाजार में ही उपलब्ध हो जाती हैं। अतः उसे वस्तुओं की प्राप्ति के लिए दूर भी नहीं जाना पड़ता। इससे धन, समय एवं शारीरिक शक्ति की बचत होती है।
4. संचार माध्यमों द्वारा प्रसारित विज्ञापनों के द्वारा विभिन्न उत्पादों के विषय में उपभोक्ता को अधिकतम जानकारी घर बैठे ही प्राप्त हो जाती है जो उसके लिए उपयोगी वस्तुओं के क्रय में सरलता लाती है एवं उनके उपयुक्त मूल्य का ज्ञान कराती है।

उत्पादकों को लाभ

1. किसी भी देश में विशिष्ट वस्तु का उत्पादन होता है। यदि वैश्वीकरण के माध्यम से अन्य देशों से वस्तु की माँग में वृद्धि होती है तो उत्पादकों को वस्तुओं का अधिक एवं निरन्तर उत्पादन करना पड़ेगा जिससे उन्हें अधिक लाभ प्राप्त होगा।
2. उत्पादक अधिक मात्रा में प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग कच्चे माल के रूप में कर सकेंगे।
3. उत्पादकों को विश्व के अन्य देशों में प्रचलित तकनीक का ज्ञान भी इसी माध्यम से हो सकेगा। जैसे– चीन दिन–प्रतिदिन अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में छा रहा है। वह जीवन के प्रत्येक क्षेत्र की वस्तुओं का निर्माण करके अन्य देशों में कम मूल्य पर निर्यात कर रहा हैं। इससे अन्य देश के उद्योगों को नई तकनीक का ज्ञान होता है तथा वे प्रतियोगिता में खड़े होकर उत्पादन में नवीनता एवं वृद्धि कर सकते हैं।
4. देशों में इस माध्यम से बेरोजगारी की समस्या का निदान भी हो सकेगा।
5. वैश्वीकरण से उत्पादन में वृद्धि हुई है तथा आयात–निर्यात भी बढ़ा है।

33. लोकतांत्रिक शासन व्यवस्थाएँ शांति और सद्भाव का जीवन जीने में नागरिकों के लिए मददगार साबित होती हैं। इस कथन की उपयुक्त उदाहरणों सहित पुष्टि कीजिए। 5

उत्तर :

नागरिकों के शांति और सद्भाव का जीवन व्यतीत करने में लोकतांत्रिक सरकार निम्न प्रकार से मददगार साबित होती है–

1. लोकतांत्रिक सरकार सर्वोत्तम प्रकार की सरकार सिद्ध हुई है। इसकी तुलना में तानाशाही सरकार, एक पार्टी सरकार एवं राजतंत्र सरकारें इतनी लोकप्रिय नहीं हुई हैं। तानाशाही सरकार में जब कभी भी लोगों को ऊपर उठने का अवसर मिलता है, वे उठते हैं और प्रजातंत्र स्थापित करने का प्रयत्न करते हैं। प्रजातंत्र का अपना ही आकर्षण है तथा जो लोग ऐसे शासन के अभ्यस्त हो जाते हैं वे अन्य प्रकार के शासन की ओर देखते तक नहीं।
2. लोकतंत्र में व्यक्ति को अपने विचार प्रकट करने की स्वतंत्रता होती है। उन्हें ऐसा करने में न तो किसी प्रकार के आतंक का डर रहता है और ना ही पुलिस हिरासत से जाने का डर रहता है। चिली, म्यांमार, पुर्तगाल, घाना आदि देशों में प्रायः यही देखने को मिलता है। लोकतंत्र में व्यक्ति पिंजरे के पक्षी की भाँति नहीं होता। वह स्वतंत्रतापूर्वक कार्यों में भाग ले सकता है।
3. लोकतंत्र में लोगों को अपनी सरकार चुनने का अधिकार होता है। यह लोगों की अपनी सरकार होती है क्योंकि वह सरकार लोगों के द्वारा बनाई गई होती है। इस प्रकार की सरकारें लोगों को अधिक प्रिय होती है।
4. लोकतंत्र में सामाजिक, आर्थिक समानता अधिक सुनिश्चित होती है। जो लोग अनेक सामाजिक एवं आर्थिक कारणों से उत्पीड़ित हो रहे हो, उन्हें प्रजातंत्र में एक जीवन की किरण नजर आती है जहाँ वे अनेक प्रकार के शोषण से स्वयं को बचा सकते हैं।

अथवा

व्यक्ति की गरिमा और आजादी को बढ़ाने में लोकतांत्रिक व्यवस्था अन्य किसी भी शासन व्यवस्था से बेहतर है। इस कथन की उपयुक्त उदाहरणों सहित पुष्टि कीजिए।

उत्तर :

लोकतांत्रिक सरकार के मुख्य गुण निम्नलिखित हैं–

1. नागरिकों के समुचित समाजीकरण, प्रबुद्धता और तर्कसंगत स्थिति को प्राप्त करने के लिए उसके अनुरूप प्रवृत्ति को बनाना तथा ऐसे वातावरण का विस्तार करना।
2. जनता के प्रति जवाबदेह होना।
3. जनता की आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु जिम्मेदारी से कार्य करना।
4. विधि अनुपालन से सरकार का गठन।

यदि देश में लोकतंत्र होगा तो जनता अपनी आवश्यकताओं को सरकार के समक्ष निःसंकोच प्रस्तुत करेगी और अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति कर सकेगी। इस प्रकार से व्यक्ति की गरिमा तथा उसकी आजादी में वृद्धि होगी। लोकतांत्रिक सरकार में लोग अपने प्रतिनिधियों के माध्यम से सरकार को उसकी क्रियाओं से अवगत कराते हैं। लोगों को स्वच्छन्दता से अपनी बात कहने का अधिकार होता है। वे अपने अधिकारों को सरलता से माँगकर प्राप्त कर सकेंगे। वे अपने कर्त्तव्यों की जानकारी प्राप्त करके उनको निष्ठापूर्वक निभा सकेंगे। जैसे– अच्छे स्वास्थ्य के साथ जीवन व्यतीत करना प्रत्येक नागरिक का अधिकार है जिसके लिए सरकार को अस्पताल, औषधालय, डिस्पेन्सरी आदि के साथ–साथ औषधियों, टीके तथा अन्य आवश्यक वस्तुओं का प्रबन्ध करना होगा।

सरकार के किसी भी अन्य रूप की तुलना में लोकतांत्रिक व्यवस्था व्यक्ति की गरिमा एवं आजादी के प्रति अधिक जागरूक होती है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में एक स्वतंत्र न्यायपालिका तथा मानवाधिकार संगठन होते हैं जो व्यक्ति की गरिमा को बढ़ाने में मददगार होते हैं।

34. उदाहरणों के माध्यम से स्पष्ट कीजिए कि दो वित्तीय समूहों के बीच विकास की धारणाएँ अलग क्यों हैं? 5

उत्तर :

1. दो समूहों के लोगों के लिए विकास की धारणा भिन्न हो सकती है। जैसे उद्योगपति बाँधों के निर्माण को विकास मान सकते हैं, क्योंकि इससे अधिक बिजली मिलती है। लेकिन आदिवासी, किसान एवं ग्रामीण इसका विरोध कर सकते हैं, क्योंकि बाँधों से उनकी जमीन जलमग्न हो सकती है। उनका जीवन अस्त-व्यस्त हो सकता है, वे बेघर हो सकते हैं और उनकी जीविका खो सकती है।
2. उद्योगपतियों के लिए खनन उद्योग से तात्पर्य है दूसरे विकास कार्यों के लिए प्राकृतिक संसाधनों की उपलब्धता, जैसे- लोहा और इस्पात। यह स्थानीय लोगों के लिए आमदनी, ढाँचागत विकास तथा रोजगार उपलब्ध कराता है। लेकिन दूसरे समूहों के लोगों के लिए यह वनोन्मूलन, संसाधनों और स्थानीय लोगों का शोषण, पर्यावरण आपदा तथा प्रदूषण इत्यादि हो सकता है। इस प्रकार विकास की धारणाएँ एक नहीं हैं।

मानचित्र कौशल आधारित प्रश्न

35. (a) दिए गए भारत के रूपरेखा मानचित्र में दो स्थानों को A और B से दिखाया गया है। इन स्थानों को निम्नलिखित जानकारी की मदद से पहचानिए और उनके सही नाम उनके निकट खींची गई रेखाओं पर लिखिए- 2

(A) वह स्थान, जहाँ जलियाँवाला बाग हत्याकांड हुआ था।

(B) वह स्थान, जहाँ नील उगाने वाले किसानों का आंदोलन हुआ था।

(b) भारत के उसी रूप रेखा मानचित्र में निम्नलिखित में से किन्हीं चार को उपयुक्त चिन्हों से दिखाए और उनके नाम लिखें- 4

(i) हैदराबाद - राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डा

(ii) नरोरा - आण्विक ऊर्जा संयंत्र

(iii) इंदौर - सूती वस्त्र उद्योग केन्द्र

(iv) विजयनगर - लोहा और इस्पात संयंत्र

(v) बैंगलूरू - सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क

(vi) पारादीप - प्रमुख समुद्री पत्तन

उत्तर

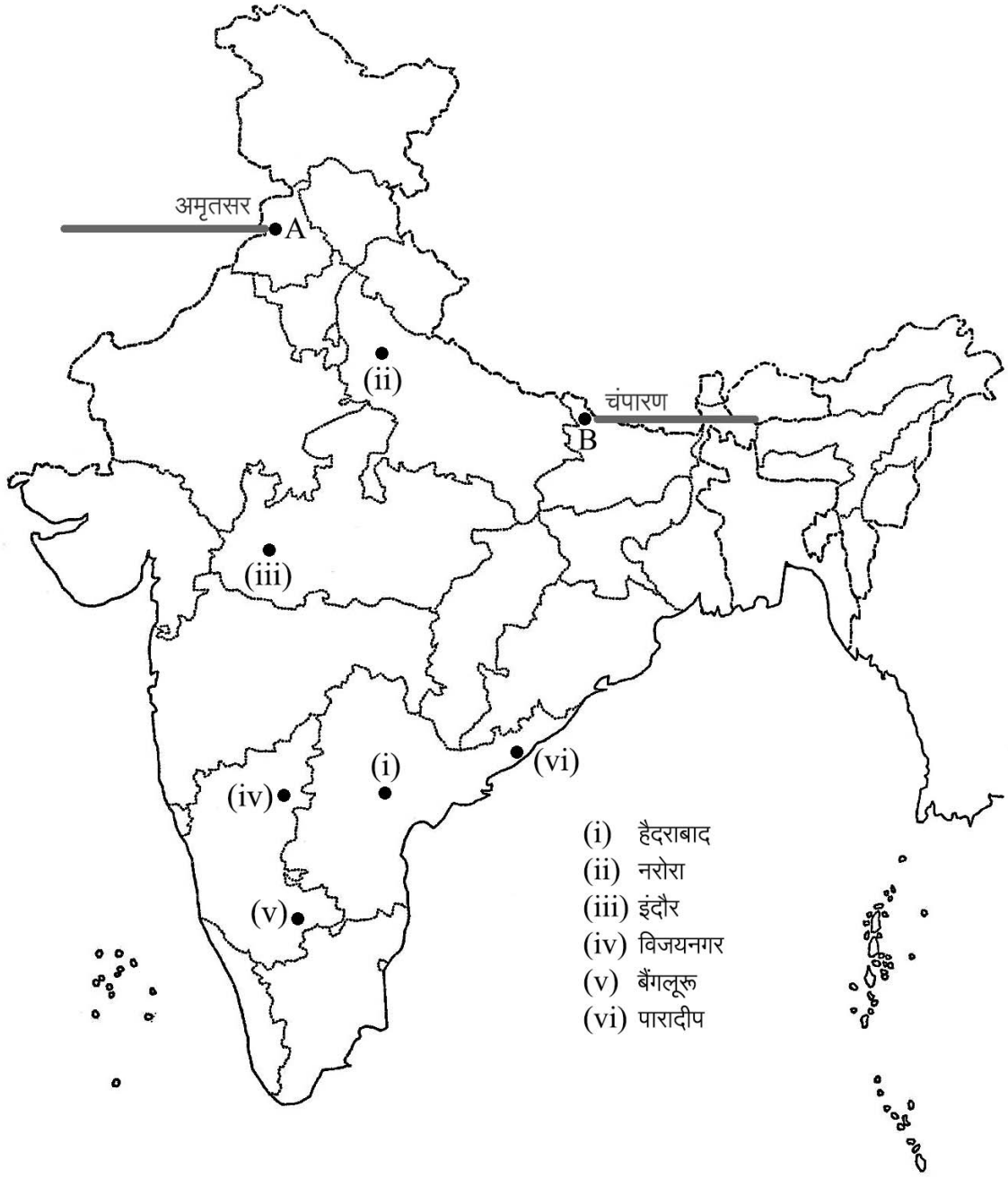

WWW.CBSE.ONLINE

Download Unsolved version of this paper from
www.cbse.online

This sample paper has been released by website www.cbse.online for the benefits of the students. This paper has been prepared by subject expert with the consultation of many other expert and paper is fully based on the exam pattern for 2019-2020. Please note that website www.cbse.online is not affiliated to Central board of Secondary Education, Delhi in any manner. The aim of website is to provide free study material to the students.